Clinical Assessment
नैदानिक मूल्यांकन

Korchin महोदय के अनुसार :

"नैदानिक मूल्यांकन वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा चिकित्सक रोगी के सम्बन्ध मे महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए आवश्यक जानकारी प्राप्त करता है।"

Murphy & Davidshofer (1988) के अनुसार

नैदानिक मूल्यांकन का तात्पर्य सूचना के विभिन्न स्रोतों के ऐसे समाकलन से है, जिससे मूल्यांकन किये जाने वाले व्यक्ति की वर्तमान स्थिति का समग्र मूल्यांकन हो सके।

Components of Clinical assessment Process.

नैदानिक मूल्यांकन प्रक्रिया एक लम्बी प्रक्रिया है जिसके कई संघटक (components) है। Bernstein & Nietzel (1987) ने चार संघटकों का उल्लेख किया गया है।

1) Planning
2) Data Collection
3) Data Processing
4) Data Communication.

Planning — मूल्यांकन प्रक्रिया के शुरु करने के पूर्व प्रत्येक चिकित्सक के लिये दो बातों की जानकारी आवश्यक

REDMI NOTE 8
AI QUAD CAMERA

है। पहला यह कि मूल्यांकन के आधार पर वह क्या जानना चाहता है और दूसरा यह है कि वह उसे किस प्रकार का जान सकता है। व्यक्ति - शीलगुणों, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, वर्तमान पर्यावरण - कारकों, पारस्परिक क्रियाओं, जैविक चरों तथा स्वयं दूसरों के प्रत्यक्षीकरणों आदि से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त करने का निर्णय लिया जाता है Planning इन बातों की भी योजना बनाई जाती है कि किन कार्य प्रणालियों के द्वारा मूल्यांकन प्रदत्त का संग्रह किया जायेगा सामान्यतः, case history, interview, Intelligence test, Personality test तथा दूसरे परीक्षणों के प्रयोग के सम्बन्ध मे निर्णय लिया जाता है।

2. Data Collection → रोगी की समस्याओं की पहचान के लिये data collection एक महत्वपूर्ण कार्य है। data collection के लिये कई प्रकार के माध्यम का प्रयोग किया जाता है जैसे case history method जिसका द्वारा व्यक्ति के जन्म से वर्तमान तक का जीवन के सारे पहलुओं की जानकारी की इकट्ठा की जाती है। बुद्धि परीक्षण किया जाता है व्यक्ति का परीक्षण किया जाता है और इन सब परीक्षणों के आधार पर व्यक्ति की समस्या का मूल्यांकन किया जाता है।

3. Data Processing → Data Collection करने के बाद उसका संसाधन (Processing) किया जाता है। अर्थात व्यक्ति के व्यवहारों

REDMI NOTE 8
AI QUAD CAMERA

को वर्गीकरण (classification), विवरण (description) तथा भविष्यवाणी Prediction प्रयोग किया जाता है।

4. Data communication →

प्राप्त सूचनाओं के आधार पर report प्रयोग किया जाता है ताकि उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा सके।

Steps involved in assessment Process

Korchin महोदय ने मूल्यांकन की निम्नलिखित चार अवस्थाओं का उल्लेख किया है।

(1) Stage of Prepration (तैयारी की अवस्था)

(2) Stage of input (निवेश की अवस्था)

(3) Stage of Processing (संसाधन की अवस्था)

(4) Stage of output (निर्गत की अवस्था)

REDMI NOTE 8
AI QUAD CAMERA